बसन्तमञ्जरी ।

अर्थात्

केवल होरी ही मे सम्पूर्ण नायिकाभेद और
भवादि वर्णन ।

पटी टहनगा निवासी माखन
पाठक कृत ।

श्रीमान् बाबू चन्द्रेश्वर प्रसादसिंह रईस चैन-
पुर के प्रसन्नतार्थ डुमरावनिवासी नक-
छेदी तिवारी द्वारा प्रकाशित ।

यह पुस्तक काशी भारतजीवन प्रेस के अ
धिकार में छपी और उसी प्रेस मे मिलेगी ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुई ।

सन १८९४ ई० ।

प्रथम बार १०००]

[मूल्य]